

Saroj





मुझे कई बुराईयाँ को खुले छतों से ढाले लगाऊँ दे,
मुझे प्यार का जख्म भरी दे ।

1004





अब हर त्योहार बने कुच खास....

Saroj



1005





अब हर त्योहार बने कुच खास....

Saroj



1005

Sofia-2
by
Saroj





